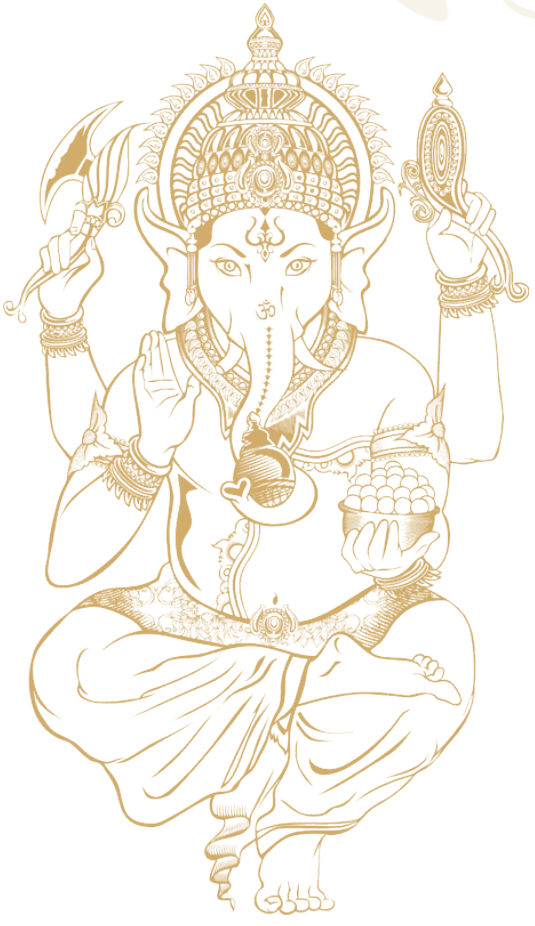

Priyam Kumari

15 Sep 1994

11:00 PM

Deoghar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119819002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/09/1994**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:00:00 घंटे**
इष्ट	43:46:51 घटी
स्थान	**Deoghar**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:31:00 उत्तर
रेखांश	86:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:16:48 घंटे
वेलान्तर	00:04:37 घंटे
साम्पातिक काल	22:54:35 घंटे
सूर्योदय	05:29:15 घंटे
सूर्यास्त	17:47:25 घंटे
दिनमान	12:18:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:51:25 सिंह
लग्न के अंश	01:37:53 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:37:53	337:16:14	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			सिंह	28:51:25	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	स्वराशि
चंद्र			मक	09:59:27	13:18:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	25:06:44	00:36:20	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			कन्या	22:50:24	01:19:01	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
गुरु			तुला	18:26:34	00:10:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	12:32:33	00:44:03	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	14:10:18	00:04:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	22:34:18	00:06:59	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	22:34:18	00:06:59	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:42:42	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:51:54	00:00:33	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	01:57:30	00:01:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	18:28:34	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:12

लग्न-चलित

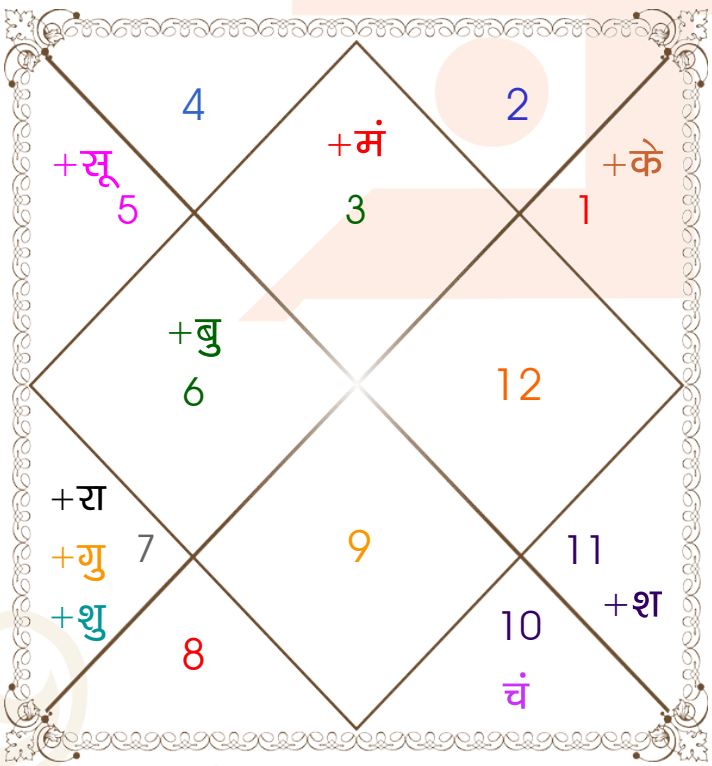

चन्द्र कुंडली

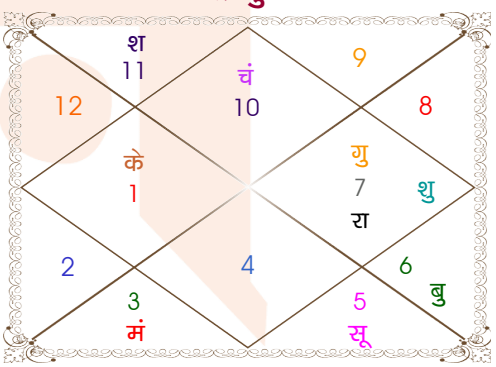

नवमांश कुंडली

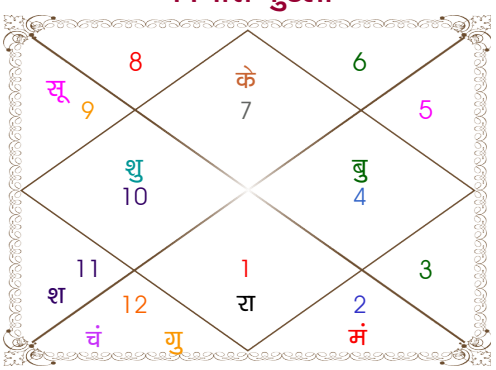

Marg Darshan jyotish kendra
Jora kothi shiv mandir karnibagh B.Deoghar Jharkhand 814143
9955755576/8002006599
ashutoshpandey698@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 0 मास 1 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/09/1994		17/09/1994		16/09/2004		17/09/2011		17/09/2029	
17/09/1994		16/09/2004		17/09/2011		17/09/2029		17/09/2045	
	00/00/0000	चंद्र	18/07/1995	मंगल	13/02/2005	राहु	30/05/2014	गुरु	05/11/2031
	00/00/0000	मंगल	16/02/1996	राहु	03/03/2006	गुरु	23/10/2016	शनि	18/05/2034
	00/00/0000	राहु	17/08/1997	गुरु	07/02/2007	शनि	30/08/2019	बुध	23/08/2036
	00/00/0000	गुरु	17/12/1998	शनि	18/03/2008	बुध	18/03/2022	केतु	30/07/2037
	00/00/0000	शनि	18/07/2000	बुध	15/03/2009	केतु	06/04/2023	शुक्र	30/03/2040
	00/00/0000	बुध	17/12/2001	केतु	11/08/2009	शुक्र	06/04/2026	सूर्य	16/01/2041
	00/00/0000	केतु	18/07/2002	शुक्र	11/10/2010	सूर्य	28/02/2027	चंद्र	18/05/2042
	15/09/1994	शुक्र	18/03/2004	सूर्य	16/02/2011	चंद्र	29/08/2028	मंगल	24/04/2043
शुक्र	17/09/1994	सूर्य	16/09/2004	चंद्र	17/09/2011	मंगल	17/09/2029	राहु	17/09/2045

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/09/2045		16/09/2064		17/09/2081		16/09/2088		17/09/2108	
16/09/2064		17/09/2081		16/09/2088		17/09/2108		16/09/2114	
शनि	20/09/2048	बुध	13/02/2067	केतु	13/02/2082	शुक्र	17/01/2092	सूर्य	05/01/2109
बुध	31/05/2051	केतु	10/02/2068	शुक्र	15/04/2083	सूर्य	16/01/2093	चंद्र	07/07/2109
केतु	08/07/2052	शुक्र	11/12/2070	सूर्य	21/08/2083	चंद्र	17/09/2094	मंगल	12/11/2109
शुक्र	08/09/2055	सूर्य	18/10/2071	चंद्र	21/03/2084	मंगल	17/11/2095	राहु	06/10/2110
सूर्य	20/08/2056	चंद्र	18/03/2073	मंगल	17/08/2084	राहु	17/11/2098	गुरु	25/07/2111
चंद्र	21/03/2058	मंगल	15/03/2074	राहु	05/09/2085	गुरु	19/07/2101	शनि	06/07/2112
मंगल	30/04/2059	राहु	02/10/2076	गुरु	11/08/2086	शनि	17/09/2104	बुध	13/05/2113
राहु	06/03/2062	गुरु	08/01/2079	शनि	20/09/2087	बुध	19/07/2107	केतु	18/09/2113
गुरु	16/09/2064	शनि	17/09/2081	बुध	16/09/2088	केतु	17/09/2108	शुक्र	16/09/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 0 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।